Romans 6:1-14
रोमियों ६: १-१४

No Longer a Slave
अब और दासत्व नहीं

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

10.15.17
१०.१५.१७

Introduction: Mom objecting to the message: "where sin increases, grace abounds all the more."
प्रस्तावना : माँ का एतराज़ "क्या हम पाप करते रहें, कि अनुग्रह बहुत हो"

Key Question: What will keep grace from leading to sin?
मुख्य सवाल: अनुग्रह हमें पाप करने से कैसे बचा सकता है?

I. Remembering the heart of Faith: revealed in baptism (v3-4)
what does baptism reveal?

A. Burial (v 3-4a)
मृत्यु का बपतिस्मा (व् ३-४ आ)

B. Resurrection (v4b)
पुनरुत्थान (व् ४ बी)

1st lesson: Baptism signals the loyalty of all believers
पहला पाठ : बपतिस्मा से वफादार अनुयायी का संकेत होता है

2nd lesson: Baptism stirs the chemistry of the heart.
दूसरा पाठ : बपतिस्मा ह्रदय को उत्तेजित करता है

II. Embracing our Freedom in Christ: Enabled by union with Christ)v5)
प्रभु यीशु में जो छुटकारा है उसे अपनाये : प्रभु यीशु के साथ जुट गए है (व् 5)

A. We are united to the death of Christ (v6-7)
प्रभु यीशु के साथ हम मृत्यु में जुट गए (व् ६,७)

1. Our "old self" was crucified with Christ (v6a)
हमारा "पुराना मनुष्यत्व" उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया,

2. Our "old slavery" was crucified with Christ (v6b-7)
   पुराण दासत्व प्रभु यीशु में मर गया

B. We are united to the life of Christ (v8-10)
   हम प्रभु यीशु के साथ जीवन में जुड़ गए है (व् ८-१०)

III. Using the Fuel of Grace: Providing by union with Christ
अनुग्रह के ईंधन का उपयोग करते हुए: प्रभु यीशु के साथ एक होना

A. Claim your identity (v11)
   अपनी पहचान का दवा करे (व् ११)

B. Wield your power (v12-13)
   अपनी शक्ति प्राप्त करे (व् ११२-१३)

1. Don't give in to sin (v12)
   पाप में न फसे (व् १२)

2. Live in the heartbeat of Jesus (v13)
   प्रभु यीशु के दिल के धड़कन में रहे (व् १३)

C. Respond to Grace (v14)
अनुग्रह को उत्तर दे (व् १४)